मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–007

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एस.के.–007 : साहित्यशास्त्र : काव्यप्रकाश, ध्वन्यालोक और दशरूपक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$3 \times 20 = 60$

1. आचार्य मम्मट प्रतिपादित काव्य-लक्षण का समीक्षात्मक वर्णन प्रस्तुत कीजिए।

2. अभिहितान्वयवाद का विस्तृत वर्णन कीजिए।

3. लक्षणाशक्ति का विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. शब्दालंकारों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

5. रूपक से आप क्या समझते हैं ? दशरूपकों का वर्णन कीजिए।

6. भरतमुनि तथा भामह का विस्तृत परिचय लिखिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. 'काव्यस्यात्मा ध्वनि:' की व्याख्या कीजिए।

2. उपमा, उत्प्रेक्षा तथा रूपक अलंकारों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

3. वाक्यगत दोषों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. ध्वन्यालोक के प्रथम उद्योत की विषय-वस्तु लिखिए।

5. नाटक की सन्धियों का संक्षेप में निरूपण कीजिए।

6. नायक के सहायक कौन होते हैं ? सोदाहरण वर्णन कीजिए।

7. किन्हीं **तीन** काव्य-दोषों को परिभाषित करते हुए उनके महत्व का वर्णन कीजिए।

8. ध्वनिमत में अभाववाद क्या है ? समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।

× × × × ×